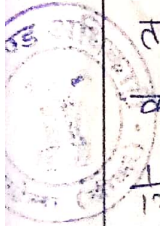


न्यायालय सहायक कलक्टर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट खण्डेला

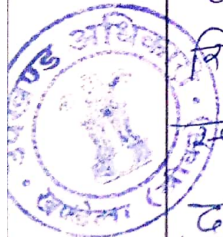
उनवान ..... अग्रणी ..... बनाम ..... अग्रणी ..... सन् 2019

किस्म मुकदमा ..... प्रापक 136 L.P.A.C.E ..... मुकदमा नं. .... 46

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तालीम में जारी हुए
21/10/19	<p>प्राणी की ओर से वकील श्री किशोर कुमार शर्मा ने प्रापक 136 L.P.A.C.E पेश किया। रिपोर्ट सरिता ली जमीन प्रापक पर दर्ज शेष किया जाकर प्रतिवादी / अग्रणी से, को जरिये समान लम्ब किया जाकर किशोर कुमार शर्मा 15-11-19 को पेश है।</p>	
15/11/19	<p>वकील प्राणी हाजिर / बहल वाकफ पर सुनी गयी। दौरान बहल वकील प्राणी ने कथन किया कि इस भूमि खं नं 32, 51/301 कुल कित-3 कुल रकबा 3.3600 है वन ग्राम माधोका वास पथार हस्त भाइवाड़ी तहख खण्डेला के राफस किशोर शर्मा प्राणी के पिता का गलत नाम शोपालदास पुत्र महादेव दास हिस्ता 12 दर्ज है। जबकी प्राणी का वास्तविक नाम शोपालदास है। जिनकी जन्मवारी सन् 2035 से 2038 में प्राणी के पिता का नाम शोपालदास</p>	



पुत्र महादेव दास दर्प है अतः पुरानी गजबंदी  
 संवत् 2065 से 2068 के अनुसार है वर्तमान  
 बापदास रिकार्ड के दुस्तरों का प्राप्ति के  
 पिता का नाम शोचालदास के स्थान पर शोचालदास  
 दुस्तर लिखा जाने का आदेश फलाना जैसे  
 हमने वहां वर्तमान प्राप्ति सुनी गयी।  
 पञ्चावली व पञ्चावली पर उपलब्ध बापदास  
 रिकार्ड अवलोकित किया गया। पुरानी गजबंदी  
 संवत् 2065 से 2068 में प्राप्ति के पिता का  
 नाम शोचालदास पुत्र महादेव दास ही दर्प है  
 बाद में लखन से शोचालदास दर्प हुआ है  
 अतः प्राप्ति का बाद पत्र स्वीकार मोरम  
 पापा जाने पर स्वीकार किया जाता है  
 तदमीलदार खण्डला को आदेश दिया जाता  
 है कि प्राप्ति के पिता का नाम बापदास  
 रिकार्ड में "शोचालदास पुत्र महादेव दास" के  
 स्थान पर "शोचालदास पुत्र महादेव  
 दुस्तर लिखा जाये। तदमीलदार वस्तु दुस्तर तदमीलदार  
 खण्डला को जारी दी। पञ्चावली फलाना हुक्म  
 लेकर लखन से कम हो बाद तदमीलदार दाखिल  
 दस्ता है।



(*[Signature]*)  
 (रजिस्ट्रार (जि.ए.)  
 लखनऊ (मि.ए.)  
 लखनऊ (मि.ए.)